Dr. Premlata
Department of History

Date ___/___/_____

U.G SEM VI

Saathi Notebooks

स्वदेशी आंदोलन

स्वदेशी आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश सामानों का बहिष्कार कर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना था। यह आंदोलन 1905 में बंगाल के विभाजन के विरोध मे शुरू हुआ था।

स्वदेशी आंदोलन के कारण

बंगाल के विभाजन के विरोध मे यह आंदोलन शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य भारतीयों को ब्रिटिश सामानों का बहिष्कार करने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना था।

स्वदेशी आंदोलन के प्रमुख नेता

1. महात्मा गांधी
2. बाल गंगाधर तिलक
3. बिपिन चंद्र पाल
4. लाला लाजपत राय

स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव

1. स्वदेशी उत्पादों की मांग बढ़ी
2. ब्रिटिश सामानों का बहिष्कार हुआ
3. भारतीय उद्योगों को बढ़ावा मिला
4. राष्ट्रीय एकता को बल मिला।

Premlata
History